विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖अमरावती,गुरूवार 25 जून से 1 जुलाई 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 04 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जो लोग जीवन में पत्नी, माता-पिता तथा अपनों का सम्मान नहीं कर सकते हैं, ऐसे लोग दुनिया का सम्मान नहीं कर सकते हैं. अच्छाई की शुरुवात हमारे अपने घर से होती है. पति-पत्नी के बीच जब अहंकार और पैसे को लेकर तनाव पैदा होता है तो निश्चित तौर पर परिवार और संस्कार दोनों का पतन होता है. इसलिए अपनों को महत्व देना शुरू कर देना चाहिए. इससे निश्चित तौर पर जिंदगी खुशनुमा लगेगी.

प्रवीण पोटे पाटील ने रच दिया चुनाव में इतिहास

विदर्भ स्वाभिमान, 24 जून

अमरावती- स्थानीय निकाय सीट से विधान परिषद चुनाव में एकतरफा जीत हासिल करते हुए भाजपा नेता तथा पूर्व पालकमंत्री प्रवीण पोटे पाटील ने इतिहास रच दिया. कांग्रेस के पतन का जहां यह चुनाव सूचक रहा,वहीं निलेश विश्वकर्मा को प्राप्त वोट किसके हैं, यह भी सोचनीय विषय है. दबंग नेता तथा समाजसेवी प्रवीण पोटे पाटील की जीत का उनमें पहले दिन से ही विश्वास था. लेकिन लगातार तीसरी बार विधायक बनकर उन्होंने रिकार्ड बना दिया है. कांग्रेस प्रत्याशी को एक वोट नहीं मिलने से इसे कांग्रेस के अंत के रूप में भी देखा जा रहा है.

नागिन डांस ७२ साल बाद भी असरकारी

आसमान पर पहुंचा है नागिन डांस का क्रेज,नगीना फिल्म में श्रीदेवी ने बना दिया यादगार

विदर्भ स्वाभिमान,17 जून

नई दिल्ली- सोचिए, बारात सज चुकी है, लाइट्स चमक रही हैं, और डीजे वाले बाबू बेस बढ़ा रहे हैं... लेकिन क्या इस माहौल में कुछ अधूरा-सा नहीं लग रहा? हां बिल्कुल! जब तक डीजे फ्लोर पर दो-चार लोग 'नागिन डांस' करने के लिए जमीन पर न उतर आएं, तब तक भारतीय शादी की रौनक पूरी ही कहां होती है.

आप शादी में शगुन का लिफाफा देना भूल सकते हैं, पनीर टिक्का मिस कर सकते हैं, लेकिन बारात के बीचो-बीच मुंह में रूमाल दबाकर, जमीन पर लोट-पोट होने वाले उस 'सिग्नेचर स्टेप' को चाहकर भी नहीं भूल सकते. आइए, इस आर्टिकल में 'नागिन डांस' की दिलचस्प कहानी के बारे में जानते हैं.

क्या आप जानते हैं कि इस मजेदार डांस के पीछे पूरी तरह से बॉलीवुड का हाथ है? जी हां, बात शुरू होती है 1954 से, जब सिनेमा टेक्नीकलर दौर में कदम रख रहा था. डायरेक्टर नंदलाल जसवंतलाल ने 'नागिन' नाम से एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म बनाई, जिसमें लोगों ने पहली बार 'नागिन' संगीत का जादू महसूस किया.पुरानी फिल्मों ने हमें धुन तो दी थी, लेकिन आज हम जो स्टेप्स करते हैं, उसका असली क्रेडिट 1986 में आई हर्मेश मलहोत्रा की फिल्म 'नगीना' को जाता है. जब सफेद साड़ी में लिपटी श्रीदेवी ने हाथों से सांप का फन बनाया और सपेरे को खूंखार नजरों से देखा, तो दर्शक दीवाने हो गए. आगे चलकर निगाहें, नाचे नागिन गली गली और जानी दुश्मन जैसी फिल्मों ने इस नागिन डांस के क्रेज को आसमान पर पहुंचा दिया.इस डांस की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसके लिए आपको डांसर होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है. आपको सिर्फ अपने हाथ सिर के ऊपर ले जाकर सांप का फन बनाना है, पेट मटकाना है और

शेष पेज 2 पर

यह पूरा व्यापार अमरावती से होता था। अमरावती के गाड़ीवान बैलगाड़ी से मिर्ज़ापुर, यानी उत्तर प्रदेश में गंगा के किनारे जाते थे। इसी तरह व्यापार दक्षिण में हैदराबाद भी जाता था। 1818 तक अमरावती शहर बहुत अमीर था। अंग्रेज़ों ने पूरे भारत पर राज कर लिया था। इस वजह से रियासतों के साथ जो सैनिक थे, वे बेरोज़गार हो गए। उनमें से कुछ ने सेना में भर्ती होकर लूटपाट का बिज़नेस शुरू कर दिया। यहीं से ठगबाजों और पेंढारी की शुरुआत हुई। ऐसे समूह शहरों को लूट लेते थे।

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

प्रशासन की लापरवाही हमेशा बनती है खतरा

प्रशासन की प्यास लगने पर कुआं खोदने वाली नीति के कारण हर साल कई लोगों की मौत होती है, भारी नुकसान होता है, व्यवस्था अस्तव्यस्त होती है लेकिन दुर्भाग्य की कुछ दिनों तक गंभीरता का ढोंग कर फिर से उदासीनता वाला रवैया अख्तियार किया जाता है. मामूली बारिश के बाद जिस तरह से व्यवस्था अस्तव्यस्त हो रही है, उसके चलते यह सवाल पैदा हो रहा है क्या प्रशासन समस्याओं का स्थायी समाधान ही नहीं चाहता है. कमीशनखोरी के इस दौर में समस्या का स्थायी समाधान यानी आय से जोड़कर तो नहीं देखा जाता है. यही कारण है कि बारिश के पहले में टेनंस के नाम पर करोड़ों रूपए का बिल विभिन्न विभागों द्वारा फाड़ने के बाद भी सेवाएं प्रभावित होती हैं. मामूली बारिश ने बुधवार को जिस तरह से अमरावती शहर के साथ ही कई तहसीलों में कोहराम मचाया है, वह निश्चित ही चिंताजनक है.

जिले की मनपा सहित विभिन्न नगर परिषदों में बारिश के पूर्व नियोजन के नाम पर लाखों रूपए खर्च होने के बाद भी नियोजन शून्यता लोगों के लिए बारिश में सिरदर्द बन जाती है. समुचित कदम नहीं उठाने के कारण बारिश में जलजमाव, रास्ता जाम के साथ ही बड़े पैमाने पर नुकसान होने का खतरा भी रहता है. इस मामले में प्यास लगने पर कुआं खोदने वाली मानसिकता नगर पालिकाओं की रहने की बात कई बार साबित हुई है. दर्यापुर, चांदूर बाजार, अचलपुर नगर पालिका क्षेत्र में मामूली बारिश से भी जलजमाव की स्थिति बन जाती है. इस पर प्रशासन को तथा जिलाधिकारी सहित वरिष्ठों को भी सतत ध्यान देना चाहिए.

नगर परिषद चांदूर बाजार की लापरवाही की पोल बुधवार को यहां हुई कुछ देर की तेज बारिश और आंधी ने करवा दिया. नियोजन शून्यता के अभाव में सड़कों पर जलजमाव होकर वाहन चालकों को परेशानी से गुजरना पड़ा. चांदूर बाजार में बुधवार शाम करीब 5 बजे तेज आंधी और जोरदार बारिश के बाद शहर की कई सड़कों के साथ ही विभिन्न प्रभागों में भी कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति बन गई. नागरिकों के मुताबिक बारिश के झलक दिखाने से जब यह स्थिति है तो बारिश शुरू होने के बाद क्या स्थिति होगी. नगर पालिका प्रशासन से मामले में गौर करने तथा जलजमाव की स्थिति नहीं आने देने के लिए अभी से समुचित नियोजन करने की मांग की है.बारिश के साथ शहर की व्यवस्थाओं की पोल भी खुल गई. तेज हवा के कारण कई जगह पेड़ों की शाखाएं टूटीं और कुछ पेड़ सड़कों पर गिरने से यातायात प्रभावित हुआ. नगर परिषद प्रशासन से विषय को गंभीरता से लेते हुए अभी से ही समुचित नियोजन करने की जरूरत नागरिकों द्वारा जताई जा रही है. कुछ ही देर की बारिश में शहर की प्रमुख सड़कों और निचले इलाकों में घटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी हुई. जल निकासी की व्यवस्था ठप होने से कई सड़कें तालाब जैसी नजर आईं.हर साल नालों और गटरों की सफाई पर खर्च के दावों के बावजूद पहली ही बारिश में जलभराव ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं. वहीं, यह बारिश ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों के लिए राहत लेकर आई है, जिससे खरीफ बुवाई की उम्मीद बढ़ गई है. नगर परिषद की लापरवाही के कारण गंभीर स्थिति का खतरा पैदा नहीं हो, इसके लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाना चाहिए. केवल चांदूर बाजार ही नहीं बल्कि जिले की सभी नगर पालिकाओं को इस मामले में समुचित ध्यान देना चाहिए.

सिया तूने प्रेम को कलंकित किया

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

प्रेम तो त्याग का नाम होता है. लेकिन वर्तमान युवा पीढ़ी प्रेम को जिस तरह से कलंकित कर रही है, उसका निश्चित ही परिणाम भविष्य में घातक हो सकता है. पुणे में भी इंदौर की सोनम रघुवंशी जैसा मामला सामने आया है. 18 जून को लोहगढ़ किलो पर हुई वारदात में सिया गोयल ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर मंगेतर केतन अग्रवाल की योजनाबद्ध तरीके से हत्या कर दी. केतन का दोष केवल इतना था कि उसकी शादी सिया गोयल के साथ होने वाली थी और सिया का पहले से ही अफेयर चेतन चौधरी के साथ था. बताते हैं कि यह बात सिया के माता-पिता को पता रहने के बाद भी उन्हों ने केतन के साथ उसकी सगाई की. सवाल यह है कि बेटी का गुणधर्म सबसे अधिक माता-पिता जानते हैं. शादी तो दो परिवारों को बढ़ाने का माध्यम होती है लेकिन सिया जैसी लड़कियों के कारण प्रेम कलंकित होता है. प्रेमी की मदद से मंगेतर को किले से धकेल कर मारने वाली सिया ने प्रेम को पूरी तरह से कलंकित किया है. दो परिवारों की खुशी को बर्बाद करते समय उसके मन में यह सवाल क्यों नहीं पैदा हुआ कि आखिर इसमें केतन तथा उसके माता-पिता का क्या दोष है. सगाई के मौके पर युवतियों के इन तरीकों को देखते हुए अब सीधे यह

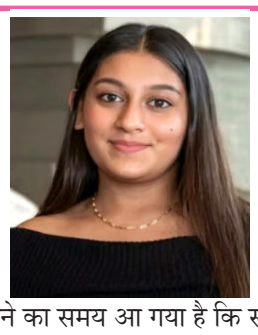

पूछने का समय आ गया है कि सगाई के पहले ही युवती से पूछ लिया जाए कि उसका किसी के साथ अफेयर तो नहीं है.इंदौर की सोनम रघुवंशी के बाद जिस तरह से केतन अग्रवाल की हत्या योजनाबद्ध तरीके से की गई, वह संस्कारों के अभाव में बदलती व्यवस्था के लिए किसी तमाचे से कम नहीं है. केतन अग्रवाल का क्या दोष था, क्या दोष था, उसके माता-पिता का. इस मामले में केवल सिया ही दोषी नहीं है बल्कि उसके माता-पिता उससे अधिक दोषी है. जैसी खबरें आ रही हैं, उसके मुताबिक सिया ने उन्हें प्रेमी चेतन चौधरी के बारे में सब कुछ बताया था. लेकिन कई बार बड़ों की गलती का खामियाजा दूसरों को भुगतना पड़ता था. जब बेटी ने उन्हें बता दिया था नकली मान प्रतिष्ठा के लिए उन्हों ने जबर्दस्ती केतन के साथ उसकी सगाई क्यें कर दी. प्रेम का विश्वास से गहरा नाता है लेकिन दुर्भाग्य कि प्रेम आजकल कलंकित हो रहा है. कभी सोनम रघुवंशी तो कभी सिया गोयल जैसी युवतियों के कारण जिस तरह से परिवारों पर आफत आ रही है और बड़ों की समझदारी के अभाव के कारण समस्या गहरी हो रही है, वह गंभीर खतरे का संकेत है. वैसे भी सामाजिक व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो रही है. पहले जब माता-पिता अच्छा वर देखकर शादी करते थे तो जीवन खुशियों से भरा रहता था, दोनों एक-दूसरे का साथ निभाते थे. लेकिन जब से स्वयं की पसंद से शादियां होने लगी हैं, प्रेम को शारीरिक आकर्षण मान लिया गया है, संस्कारों के अभाव में पश्चिमी संस्कृति का अनुकरण किया जाने लगा है, तब से जितनी जल्दी शादी होती है, उससे कम समय में विवाह टूटने का सिलसिला दो परिवारों को त्रस्त कर रहा है. सिया प्रेम के नाम पर तूने तो प्रेम को ही कलंकित किया. अब सगाई में ही युवती से यह पूछने का वक्त आ गया है कि तुम्हारा किसी के साथ चक्कर तो नहीं. वर्ना सगाई के बाद जीवन को खतरा पैदा हो. गंभीर चिंता के साथ चिंतन जरूरी है.

नगीना डांस ने श्रीदेवी को आसमान पर पहुंचाया

फुफकारने की एक्टिंग करनी है.महफिल तब सजती है जब कोई एक शख्स घुटनों के बल बैठकर मुंह में रुमाल दबाता है. यह रुमाल एक 'काल्पनिक पुंगी' या बीन का काम करता है, और बाकी लोग उसके चारों तरफ नागिन बनकर झूमने लगते हैं.

यह डांस शायद इकलौता ऐसा मौका होता है जहां भारतीय पुरुष किसी जेंडर स्टीरियोटाइप की परवाह नहीं करते. महिलाएं तो खुशी-खुशी अपनी अंदर की 'नागिन' बाहर लाती ही हैं, लेकिन इस डांस में सबसे ज्यादा पुरुष ही हिस्सा लेते हैं. यह अपने आप में बेहद दिलचस्प और सशक्त करने वाली बात है.

जश्न से लेकर विरोध तक का अनोखा तरीका-हम भारतीय सिनेमा से बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं- चाहे बात फैशन की हो, विचारों की या संगीत की. हम अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए डांस और म्यूजिक का खूब इस्तेमाल करते हैं. जब लोग बेहद खुश होते हैं या फिर थोड़े नशे में होते हैं, तो नागिन डांस ही उनकी पहली पसंद होता है. बारात हो या डांस फ्लोर, जितने ज्यादा सपेरे और नागिन होंगे, माहौल उतना ही मजेदार हो जाता है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

बारिश ने खोली प्रशासन की पोल, जलजमाव ने किया सभी को त्रस्त

किसानों में खुशी, बुआई भी कहीं-कहीं शुरू, कृषि विभाग ने दी संयम की सलाह

विदर्भ स्वाभिमान,24 जून

अमरावती- शहर के साथ जिले में बुधवार को हुई घंटे भर की बारिश ने प्रशासन की जहां पोल खोल दी, वहीं इस बारिश के कारण किसानों के चेहरे की रौनक लौट आयी है. कृषि विभाग ने किसानों को बुआई की गड़बड़ी नहीं करने की सलाह दी है बावजूद इसके नांदगांव खंडेश्वर, धारणी, दर्यापुर,अचलपुर सहित अन्य तहसीलों में किसानों द्वारा बुआई आरंभ की गई है. अमरावती शहर में पहली ही घंटे भर की जोरदार बारिश ने कई मार्केट को जलमय कर दिया. रास्ते पर बहता पानी लोगों को त्रस्त कर रहा था. मनपा आपदा प्रबंधन विभाग को जलजमाव की शिकायतों वाले फोन लगातार घनघनाते रहे. अमरावती शहर में कई स्थानों पर पेड़ गिरने के अलावा हरिसाल में भी बड़ा पेड़ गिरकर यातायात प्रभावित हुआ. बारिश ने सभी को धो डाला.

जिले की नांदगांव खंडेश्वर तहसील एवं शहर क्षेत्र में मंगलवार शाम लगभग 8 बजे से लगातार तेज बारिश शुरू हुई. पिछले कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह वर्षा किसी राहत से कम नहीं है. लंबे समय से बारिश की कमी से चिंतित किसानों के चेहरों पर इस बारिश ने मुस्कान ला दी है. बारिश के बाद किसानों ने भी विलंब हो रही बुआई की प्रक्रिया को तेज कर दिया. बावजूद इसके अभी भी बारिश को लेकर किसानों के मन में संभ्रम भी है.

बारिश के कारण किसानों में उत्साह का माहौल बना हुआ है. खरीफ सीजन की बुवाई के लिए खेतों में आवश्यक नमी उपलब्ध होने की उम्मीद बढ़ गई है. किसानों का कहना है कि समय पर हुई यह बारिश ज्वार, सोयाबीन, कपास एवं अन्य खरीफ फसलों के लिए लाभदायक साबित होगी.जोरदार बारिश से शहर का मौसम भी सुहावना हो गया है और लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है. किसान एवं नागरिक दोनों ही इस बारिश का स्वागत कर रहे हैं. कई किसानों ने इसे खरीफ सीजन के लिए शुभ संकेत बताते हुए अच्छी पैदावार की आशा व्यक्त की है.

निचले इलाकों में पानी भरा

हालांकि लगातार हुई तेज बारिश के कारण शहर के कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली. कई दुकानों में बारिश का पानी घुस जाने से व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा. स्थानीय नागरिकों ने जल निकासी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की मांग की है.नांदगांव खंडेश्वर शहर को भी बारिश ने धो डाला. इतना ही नहीं तो इसके कारण अस्तव्यस्त स्थिति पैदा हो गई. बरसात शुरू होते ही प्रभाग क्रमांक 17 स्थित दांडगे लेआउट, हनुमान मंदिर परिसर की सड़कों पर बड़े पैमाने पर पानी जमा होने लगा है. नाली और सड़क नहीं होने के कारण जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई है, जिससे मच्छरों की संख्या बढ़ रही है और सांप व अन्य जहरीले कीड़ों का खतरा भी बढ़ गया है. इससे नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है. खासकर छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. साथ ही स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए आवागमन मुश्किल हो गया है तथा वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है.स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस समस्या को लेकर पिछले कई वर्षों से नगर पंचायत प्रशासन को बार-बार शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. नागरिकों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल मामले को गंभीरता से लेकर नाली और सड़क निर्माण कराने की मांग की है.

अमरावती शहर में बीस से अधिक मार्केट में तलघर में पानी घुसने से व्यापारियों के साथ ही ग्राहकों को भी परेशानी हुई. पहली बार यह नहीं हुआ है. वर्षों से इस समस्या से सभी जूझ रहे हैं. लेकिन इसका स्थायी समाधान नहीं ढूंढा जा रहा है. रोड ऊपर, दुकानें नीचे वाली स्थिति से लगातार बारिश का दंश व्यापारियों को झेलना पड़ रहा है.

धमकी देने वालों के खिलाफ पुलिस करेगी कार्रवाई-फड़णवीस

विदर्भ स्वाभिमान, 24 जून

नागपुर- केन्द्र के साथ ही राज्य में भी राजनीतिक दलों में टूट-फूट का खतरा मंडराता जा रहा है. इस बीच ऑपरेशन टाइगर' के बाद राज्य की राजनीति में चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के बीच शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती को लेटर लिखकर गंभीर आरोप लगाए हैं. राउत ने अपने लेटर में आरोप लगाया है कि नॉर्थ-ईस्ट मुंबई के संजय दीना पाटिल ने प्रदर्शनकारियों को जान से मारने और बम फेंकने की धमकी दी है. इस बैकग्राउंड में, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम किसी का घर बम से नहीं उड़ाने देंगे और किसी को भी खोखली धमकियों से डरने की ज़रूरत नहीं है. अगर कोई धमकी दे रहा है, तो पुलिस उसके खिलाफ सही एक्शन लेगी, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संजय दीना पाटिल से कहा है.

संजय राउत ने अपने लेटर में कहा है कि शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी से अलग हुए छह सांसद लोगों के गुस्से का सामना कर रहे हैं और पूरे राज्य में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. यह कहते हुए कि विरोध करना और अपने प्रतिनिधियों से सवाल करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है, उन्होंने ग्द संजय दीना पाटिल पर प्रदर्शनकारियों को धमकाने का आरोप लगाया. इस बैकग्राउंड में नागपुर में बोलते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रिएक्शन दिया.

इस बीच, मुख्यमंत्री ने नागपुर एयरपोर्ट के ट्रांसफर प्रोसेस के बारे में भी ज़रूरी जानकारी दी. नागपुर एयरपोर्ट

नागपुर क़ो कार्गो हब बनाने का सपना करेंगे साकार

तेजी से हो रहा है उपराजधानी का विकास

का ग्रुप को ऑफिशियली ट्रांसफर होने से शहर के डेवलपमेंट को नई जान मिलेगी. कई सालों के इंतज़ार और कानूनी रुकावटों के दूर होने के बाद, यह ज़रूरी स्टेज पूरा होगा, और नागपुर एयरपोर्ट के ग्राउंड फील्ड प्रोजेक्ट के तहत एक मॉडर्न और वर्ल्ड-क्लास एयरपोर्ट बनाया जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के सहयोग से महाराष्ट्र सरकार के प्रपोज़ल को मंज़ूरी मिल गई. क्रड के ज़रिए नागपुर को एक मॉडर्न एयरपोर्ट मिलेगा.

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि नागपुर को देश का बड़ा कार्गो हब बनाने का सपना कई सालों से देखा जा रहा था. लेकिन, एयरपोर्ट डेवलपमेंट इसका एक बहुत ज़रूरी हिस्सा था. अब जब ट्रांसफर प्रोसेस पूरा हो गया है, तो कार्गो हब प्रोजेक्ट को रफ़्तार मिलेगी. उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि भविष्य में नागपुर सेंट्रल इंडिया का सबसे ज़रूरी एयरपोर्ट हब बनकर उभरेगा और किसानों, इंडस्ट्रीज़, व्यापारियों और विदर्भ की पूरी इकॉनमी को बड़ा बूस्ट देगा.

ज़ब से गई तभी से करता रहा हूं स्मरण

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण
www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी- अंगनामणियों ने लक्ष्मी को नमस्कार करके आदर किया. तब कपट नाटक सूत्रधारी विष्णु ने लक्ष्मी का आदर करके महर्तद्वय की आशा से लक्ष्मी से आलिंगन करके प्रेम से उन्हें रन के पीढ़े पर बिठाया. स्वयं भी बैठकर सिरि को आनंद देनेवाली कुछ बातें रहस्य रूप में बताकर हरि ने और आगे कहा.

श्री हरि लक्ष्मी से संभाषण करना-'हे श्री वनितामणि! मुझ से रूठ कर जबसे तुम चली गयी तब से लेकर अब तक मैं तुम्हारा ही स्मरण करते हुए इस वल्मीक में दुबककर ही रहा. एक ग्वाले ने यहाँ पर आकर परशु से मेरे सिर पर मारा. तब भी मैं पीड़ा सहता रहा. मुझे बहुत दया के साथ वकुला ने एक माँ के रूप में मेरी रक्षा की. कठोर परशु की मार को सिर्फ तेरे मांगल्य सूत्र की महिमा के कारण ही मैं सह पाया. जीवित रह पाया. इसमें कोई मेरी महिमा नहीं है. हे वनजाक्षी! तुम्हारी पतिव्रत निष्ठा से ही मैं बच पाया हूँ. और मैं क्या कह सकता हूँ. इससे अलग आकाशराज की कन्या मुझे देखकर मोहित हुई है. इसलिए प्रेम से मैंने उससे विवाह करने के लिए मन में सोचा है. तुम स्वीकार करके विवाह करने के लिए कहोगी तो मैं विवाह करूँगा. अगर तुम स्वीकार नहीं करेगी तो मैं विवाह नहीं करूँगा.' हरि की इन बातों को सुनकर लक्ष्मी को मन में आश्चर्य हुआ. उन्होंने हरि से इस रूप में कहा. 'हे हरि! वामाक्षी ने तुम पर मोह से कामना की है? उसे क्षमा करने के आपके प्रयत्नों को भी मैंने देखा है. हे केशव ! मन में मुझे बहुत अच्छा लगा है. हे कमलाक्ष! विवाह की तैयारी में मंगलकर से हल्दी आदि भेजकर अब अपने को अशक्त बोलते हुए, चेहरा दिखाने के लिए मेरे पास दूत को भेजने से मैं भयभीत होकर आयी हूँ. प्रीति से और गौरव के साथ मैं नहीं आयी. अगर मैं पहले आऊँगी तो आपके विवाह को स्वीकार नहीं करूँगी. ऐसे संशय से मुझे पहले नहीं बुलाया गया. आपने ऐसा काम किया. ठीक है विवाह के कारण ही सही मुझे बुलाया गया. मैं आयी और मुझे आपको देखने का अवसर प्राप्त हुआ. हे कमलनाथ ! यही मेरे लिए बहुत है. धरती पर अगर आप विवाह करना चाहेंगे. मैं क्यों विघ्न डालूँगी? आपको मेरे होते भी कोई नहीं है. इसलिए आपके मन में विवाह की इच्छा पैदा हुई है.

मुझे यह स्वीकार्य है. आपको अब कोई संशय नहीं करना चाहिए. शांति से आप उस कन्या के साथ विवाह कर लीजिए. हे महात्मा ! कुल मिलाकर आपका सुख ही मेरा सुख है. हे चिन्मय रूपा ! आप मनुष्य के रूप में इस पहाड़ पर चढ़ कर ग्वाले के हाथों में घायल हुए, वकुला ने आपकी रक्षा की. यह बहुत विचित्र है. मुझे अब क्या चाहिए. हे कमलाक्ष! तभी भृगु के कारण मैं आपसे अलग हो गयी. मेरे वहाँ रहने पर भी मेरे मन में आपके ही रूप को पूरी तरह बसाकर जीवित रहूँगी. मैं वहीं सुखी रहूँगी. उत्साह से ब्रह्मादि के द्वारा किए जाने वाले इस विवाह को आप कर लीजिए.' इस रूप में कहते आँखों में से आंसू बहाते सर झुका कर सिरि ने कहा. तब हरि ने संशय करते हुए लक्ष्मी की दीनावस्था को देखकर उनसे इस रूप में कहा. 'हे सिरि! तुम अपने मन में चिंता मत करो. तुमसे बढ़कर और कोई आप्त मुझे कहीं भी नहीं है. तुम ही मेरे लिए देव हो, तुम ही मेरे लिए प्राण हो, तुम ही मेरे लिए भाग्य हो. यह निश्चय है. इसलिए तुम राजी होकर मेरा विवाह करो या न करो मेरे लिए दोनों ठीक है. मुझे क्या चाहिए. लोक विडंबनार्थ के रूप लमें तुम्हारे प्रयत्न आज कालानुसार ही हुए.' इस रूप में आँखों से आँसू बहानेवाले माधव को देखकर सिरि ने इस रूप में कहा. 'हे देव! इस रूप में कहना आपको शोभा नहीं देता.' हँसते हुए इस रूप में कहा.**शेष अगले अंक में**

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

मरीजों की आत्मीय सेवा में समर्पित है झेनिथ हास्पिटल

मानवता की अलख जगाते हैं डॉ. प्रकाश राघानी तथा टीम, कर्मचारी भी सेवाभाव से हैं ओतप्रोत

अमरावती - शहर में तेजी से अस्पताल बढ़ रहे हैं लेकिन कुछ ही अस्पताल ऐसे हैं, जिनका नाम सम्मान के साथ मरीजों द्वारा लिया जाता है. इनमें चौधरी चौक स्थिति झेनिथ अस्पताल भी है. वैद्यकीय सेवा के माध्यम से जहां मरीजों के दिलों में अस्पताल के डाक्टरों और कर्मचारियों ने स्थान बनाया है, वहीं अस्पताल के सभी विशेषज्ञ डाक्टर मरीजों की आत्मीय सेवा के साथ सही मार्गदर्शन करने का काम करते हैं. यही कारण है कि अल्प समय में ही इस अस्पताल ने स्वयं का स्वतंत्र स्थान बनाया है.

स्वार्थ भरे तथा पैसे की अंधी दौड़ वाले इस दौर में भी कुछ लोग आज भी अपने क्षेत्र को गरिमा प्रदान कर रहे हैं, ऐसे ही लोगों में शामिल हैं झेनिथ हास्पिटल एन्ड टेरीटरी केयर सेंटर के संचालक डॉ. प्रकाश राघानी,डॉ.नीरज राघानी. वे तथा उनकी टीम जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उतने ही बेहतरीन इन्सान होने का अनुभव यहां आने वाले मरीजों को अक्सर होता है. जाने-माने कार्डियालॉजिस्ट होने के बाद भी उनकी विनम्रता, मरीजों के साथ दिखाई देने वाली आत्मीयता मरीजों के मनोबल को बढ़ाती है और इस जंग में जीत का विश्वास दिलाती है. जरूरतमंद मरीजों की हरसंभव मदद करने के साथ ही मरीजों को हिम्मत बंधाते हुए गंभीर से गंभीर किस्म के मरीज का मनोबल बढ़ाने, उसके परिजनों को आत्मीयता से समझाने का कार्य करते हैं. आज के दौर में इतनी व्यस्तता के बाद इस तरह का रवैया निश्चित ही सराहनीय है. अस्पताल के डाक्टरों के साथ ही

सेवाभाव से ओतप्रोत रहने वाले कर्मचारी इस अस्पताल की सबसे बड़ी ताकत हैं. नर्स से लेकर वार्ड बॉय तक सभी मरीजों की सेवा में पूरे दिल से लगे रहते हैं. यह बात स्वयं मरीज स्वीकार करते हैं. गणेश अय्यर के पैर की पिछले दिनों इस अस्पताल में सर्जरी होने के बाद जिस तरह से डॉ.प्रकाश राघानी, डॉ. संग्राम देशमुख, डॉ. स्वप्नील नागे सर के साथ ही सभी डाक्टरों तथा कर्मचारियों द्वारा उनका ख्याल रखा जा रहा है, उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा है, यह निश्चित ही यादगार अनुभव से कम नहीं है.

यह स्थिति अस्पताल में किसी एक मरीज नहीं बल्कि सभी मरीजों के लिए रहती है. इसका जिक्र स्वयं दिव्यांग गौरी अय्यर भी करती हैं. उनके मुताबिक डॉ. राघानी और उनकी पूरी टीम उनके लिए किसी देवदूत से कम नहीं हैं. पैसा बहुत कुछ हो सकता है लेकिन सब कुछ नहीं हो सकता. इसका अनुभव इस अस्पताल में अक्सर मरीजों तथा उनके परिजनों को आता है. वहीं दूसरी ओर भगवान द्वारा देवदूत के रूप में भेजे गए डॉक्टर को लेकर जहां कई सवाल पैदा होते हैं, वहीं डॉ. राघानी जैसे डाक्टरों को वैद्यकीय सेवा क्षेत्र के लिए गौरव कहना गलत नहीं होगा.डॉ.प्रकाश राघानी द्वारा संचालित झेनिथ अस्पताल सेवा भाव से जहां परिपूर्ण है, वहां इस अस्पताल में आने वाले मरीज के दर्द को खत्म करने का

प्रयास किया जाता है.स्वयं संवेदनशील डॉ.राघानी का मानना है कि मरीजों की सेवा के लिए सदैव प्रयास किया जाता है.महंगाई के दौर में यह भी उतना ही सच है कि अस्पतालों का संचालन किसी चुनौती से कम नहीं है.महंगी बिजली,कर्मचारियों के वेतन,डॉक्टर की आजीविका सहित कई विषयों से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही सच है कि डॉक्टर को लेकर आज भी मरीजों में अपार विश्वास होता है.समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण देश में लाखों लोगों की मौत हो जाती है.अस्पताल के डॉक्टर के साथ ही यहां के सभी कर्मचारी भी मानवता की सेवा से ओतप्रोत हैं, यह निश्चित ही सराहनीय है.यही कारण है कि अल्प समय में अस्पताल ने न केवल अमरावती बल्कि समूचे विदर्भ स्तर पर नाम कमाया है.डॉ. राघानी जाने माने कार्डियोलॉजिस्ट हैं.एमडी के साथ डीएम की डिग्री के साथ बड़े पैमाने पर प्रैक्टिस और अनुभव होने से इस अस्पताल में अच्छे होने वाले मरीजों की संख्या अन्यों की तुलना में बेटर कही जा सकती है.

मानवता की सेवा को महत्व

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए डॉ. प्रकाश राघानी ने बताया कि उनके अस्पताल में कम से कम शुल्क में मरीज को बेहतरीन उपचार देने का प्रयास किया जाता है. कई मरीज ऐसे भी हैं जो यहां नियमित रूप से आने के साथ ही यहां की सेवाओं को लेकर संतोष जताते हैं. पैसा जरूरत है लेकिन इंसान से बढ़ कर नहीं है. इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में पहुंचने वाले हार्ट अटैक या अन्य बीमारियों के मरीजों पर पहले उपचार शुरू करने को प्राथमिकता दी जाती है.वह यह भी बताते हैं कि सभी मरीज एक जैसे नहीं होते हैं कुछ ऐसे भी मरीज होते हैं जिनके परिजन किए गए विश्वास को सार्थक करते हैं.

समर्पित कर्मचारी वर्ग

इस अस्पताल की दूसरी महत्वपूर्ण खूबी यह है कि अस्पताल की नर्स और वार्ड बॉय से लेकर सभी कर्मचारी केवल ड्यूटी नहीं करते हैं बल्कि ड्यूटी के दौरान मरीज को आत्मीयता के साथ सेवा देने का कार्य करते हैं.यही कारण है कि मरीज के 25 फीसदी दर्द को कम करने का कार्य अस्पताल के सेवा समर्पित कर्मचारियों द्वारा किया जाता है, मनोबल बढ़ाने का काम डाक्टरों की टीम करने से मरीज को जल्द से जल्द राहत मिलती है. अस्पताल इसी तरह उत्तरोत्तर प्रगति करे, विदर्भ स्वाभिमान परिवार की यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

गुरूवार 25 जून से 1 जुलाई 2025

मेष- यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.किसी से नाहक विवाद नहीं करें.

वृषभ- घर में मेहमानों का आगमन होगा और स्पर्धा परीक्षा में सफलता का योग है. मेहनत करने को प्राथमकिता दें.संभलकर बोलें.वाहन धीरे से चलाएं.थोड़ी मेहनत भी लाभ दिला सकती है.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.यात्रा का योग है.

तुला- घर में इस सप्ताह खुशियां रहेंगी. नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. मंगलमय काम पूरा होने का संतोष रहेगा. किसी को परेशान करने से बचना अच्छा होगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा.

मीन- स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें. दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.नौकरी में बदलाव होने का योग बन रहा है.

सफल व्यवसायी,सेवाभावी मनोजभाऊ डफळे

ज़ीवन में कुछ लोगों का स्वभाव फूल जैसा होता है. वे पेड़ पर रहें तो भी सुगंध देते हैं और भगवान के चरणों में रहें तो भी आनंद देते हैं. ऐसे ही खुशमिजाज व्यक्तित्व के रूप में मित्र मनोज भाऊ डफळे हैं. चेहरे पर मुस्कराहट, सदैव सकारात्मक सोच के साथ ही यथासंभव मदद करने की भावना के कारण ही केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट संगठन के साथ ही हजारों मित्र परिवार उन्हों ने तैयार किया है. किसी बात का गर्व नहीं बल्कि विनम्रता किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहती है.

जितने सफल व्यवसायी हैं, उससे भी बेहतरीन इन्सान हैं. वे कहते हैं कि जिंदगी न मिलेगी दोबारा तो जब प्रभु ने इन्सान के रूप में पैदा किया है तो जितना संभव हो सके, उतना अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए. उनके कुशल संचालन में श्रद्धा मेडिकल्स आज मरीजों का विश्वास जीतने में जहां सफल हुई है, वहीं ग्राहकों की भीड़ सदैव लगी रहती है. इसके संचालक मनोज डफळे स्वभाव से इस तरह बेहतरीन व्यक्ति हैं कि उनसे पहली ही मुलाकात करने वाला व्यक्ति उन्हें सदैव याद रखता है. आडंबर से दूर रहने वाले मनोजभाऊ का कहना है कि आज की खुशियां महत्वपूर्ण होती हैं. तनाव जीवन को कम करता है. जो चीज हमें नुकसान पहुंचाती है, उसे लेना भी नहीं और देना भी नहीं चाहिए. व्यवसाय के साथ ही वे सामाजिक कामों में जहां अग्रणी रहते हैं, वहीं दूसरी ओर सदैव नेक कामों में योगदान देने से पीछे नहीं हटते हैं. उनके मिलनसार स्वभाव के कारण हजारों का मित्र परिवार उन्हों ने जहां बनाया है, वहीं दूसरी ओर कोरोना महामारी के दौरान जिस तरह से गरीबों की सेवा की, उसकी सराहना सभी करते हैं. उनका 26 जून को जन्मदिन है. उन्हें विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों हार्दिक शुभकामनाएं.

अमरावती शहर के सुख्यात केमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट मनोजभाऊ का कहना है कि हर व्यक्ति को अपनी ओर से जितना संभव हो, मानवता की सेवा करनी चाहिए. सेवा केवल पैसे से ही नहीं होती है बल्कि किसी जरूरतमंद को रक्तदान कर भी हम सेवा कर सकते हैं. किसी नेत्रहीन को सड़क पार कराकर भी सेवा की जा सकती है. मानव को मानव के काम आने का संदेश वे देते हैं. हरदिल अजीज यार मनोजभाऊ का मानना है कि मानवता से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है. मानवसेवी व्यक्ति के रूप में मनोजभाऊ को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना. जीवन में तमाम-उतार चढ़ाव के बाद भी उनका स्वभाव आत्मीयता से परिपूर्ण रहता है. यही कारण है कि उन्होंने हजारों मित्र बनाए हैं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक
प्रमोदभाऊ पांडे मित्र परिवार, एमएच 27 ग्रुप, विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार,अमरावती.

रग-रग में सेवाभाव,विकास की सोच रखने वाले प्रमोदभाऊ पांडे

अमरावती-शहर के पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे को सर्वप्रथम जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. बोलने में कम, सिद्धांतों सेकभी समझौता नहीं करने वाले प्रमोद पांडे का जन्मदिन जिस तरह से मनाया गया, जिस तरह से हजारों ने सुबह सेशाम तक उन्हें शुभकामनाएं दी, वैसा भाग्य बहुत कम लोगों के नसीब में होता है. राजनीति में सेवाभाव घट रहा है और मेवाभाव बढ़ रहा है लेकिन वह सदा इसके अपवाद रहते हैं.

पद पर रहें या नहीं रहें, जनता की सेवा, विकास के साथ ही शहर विकास केलिए सदा समपित रहते हैं. यही कारण है हजारों मित्र परिवार बनाया है. सुख्यात समाजसेवी, जनसेवी युवा नेता प्रमोद पांडे सेवा कामों में सदा अग्रणी रहते हैं. पद पर नहीं रहने के बाद भी जनता की किस तरह से सेवा की जा सकती है, विकास का किस तरह से विजन रखा जा सकता है, इसका आदर्श उदाहरण प्रमोदभाऊ पांडे हैं. बचपन से संघर्ष, देशप्रेम, समाजसेवा की भावना सो ओतप्रोत रहने वाले प्रमोद पांडे उपमहापौर रहते समय शहर विकास के लिए लगातार कार्य किए. आज भी अपने क्षेत्र ही नहीं तो समूचे शहर और जिले की राजनीति में सेवाभाव, विकास के विजन,पर्यावरण संतुलन, कहीं भी फेंक दी गई देवी-देवताओं की मूर्तियों का समुचित विसर्जन जैसे बेहतरीन उपक्रम केवल वही चला सकते हैं. पद के लिए कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं करते. सत्य साई सेवाग्रुप के माध्यम से स्वच्छता अभियान से मानवता का अभियान चलाते हैं. लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए जिस तरह से समर्पित रहते हैं, इससे उन्होंने हजारों युवाओं का परिवार बनाया है. जो सेवाभाव में सदैव अग्रणी रहता है.

केवल सेवा ही नहीं विजयादशमी को सोना देने के बाद उत्पन्न कचरा हटाने की बात हो, गरीबों , पारधी समाज के बच्चों को ससम्मान भोजन कराने की बात हो, पांडे दम्पति समर्पित और सेवाभाव सेतत्पर रहता है. दिग्गज हस्ती तथा सेवाभावना से ओतप्रोत व्यक्तित्व के रूप में प्रमोद पांडे और अंजली पांडे की गणना की जाती है.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

विदर्भ स्वाभिमान

को आदर्श पत्रकारिता के साथ १७वें वर्ष में पदार्पण पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

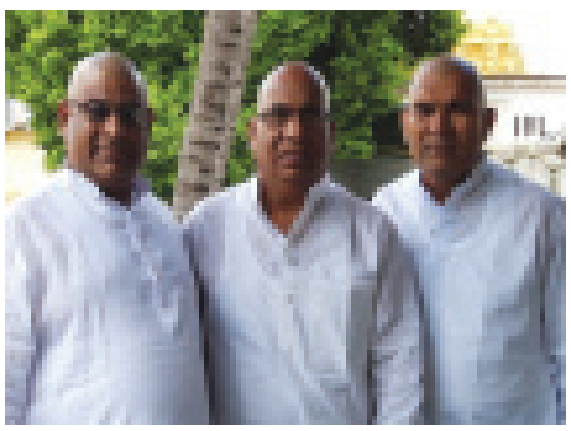

शुभेच्छुक
अरूण कडू, सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन परिवार,अमरावती.
सुख्यात समाजसेवी, संचालक आनंद परिवार,बडनेरा, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है. सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें. अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार
छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.
मोबाइल 9423426199/8208407139
www.vidarbhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान

सप्ताह के सात वार के अलावा सबसे बड़ा वार परिवार रहता है. जब सभी एक-दूसरे की भावना समझते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं तो वह सुखी परिवार और इसके उल्टा सभी जब एक-दूसरे से जलने की भावना रखते हैं तो वह दुःखी परिवार होता है. आप सुखी परिवार बनें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

विदर्भ स्वाभिमान

माता-पिता की सेवा, राष्ट्रधर्म, मानव धर्म को प्रोत्साहित करने तथा आदर्श पत्रकारिता के साथ 17वें वर्ष में पदार्पण पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक
पप्पूभैया छांगानी व परिवार, अमरावती.

डॉ.बोंडे के प्रयासों से दर्यापुर होगा सुजलाम-सुफलाम

विदर्भ स्वाभिमान,24 जून

दर्यापुर- भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा राज्यसभा सांसद डॉ.अनिल बोंडे के प्रयासों से दर्यापुर में नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से जलसंकट की समस्या से निराकरण का प्रयास कर रहे हैं. खारपाण पट्टी क्षेत्र की खेती को राहत देने के लिए राज्यसभा सांसद डॉ.अनिल बोंडे ने पूर्णा-चंद्रभागा, भुलेश्वरी-सापन, शहानूर नदी जोड़ परियोजना को राष्ट्रीय नदी जोड़ परियोजना में शामिल कर जल्द मंजूरी देने की मांग की है. इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री, जलसंपदा मंत्री और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री को पत्र भेजे हैं.दर्यापुर क्षेत्र की 90 फीसदी खेती बारिश पर निर्भर है, जिससे किसानों को हर साल परेशानी होती है. सांसद बोंडे ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर सूखी नदियां बारहमासी बहेंगी, खारी और बंजर जमीन फिर उपजाऊ बनेगी तथा किसानों को रबी और गर्मी की फसल लेने में मदद मिलेगी. इससे आय बढ़ेगी और ग्रामीण पलायन भी रुकेगा. यह प्रकल्प पूरा होने के बाद किसानों के लिए भारी लाभ होगा.

बड़े अच्छे लगते हैं डॉ.प्रवीण नागपुरे

भीड़ में चेहरा मुर्तिजापुर में मरीजों की सेवा में भी दिखाते हैं सदा मानवता, सम्पन्नता में भी विनम्रता के परिचायक है नागपुरे दम्पति, मानव सेवा को मानते हैं परमात्मा की सेवा

विदर्भ स्वाभिमान,24 जून

अमरावती- जीवन में कुछ लोगों का साथ, उनका व्यवहार, आत्मीयता पहली ही मुलाकात में प्रभावित करती है और दिल में बरबस ऐसे लोगों के लिए प्रेम उमड़ता है और जैसा कि श्रीमद् भागवत गीता में कहा गया है कि ऐसे लोगों के साथ किसी न किसी रूप से मानव का नाता होता है. वर्ना सहज ही किसी के प्रति प्रेम नहीं उमड़ता है. मेरे मित्र आशीष ठोंबरे द्वारा पहली बार जब डॉ.प्रवीण नागपुरे के बारे में बताया गया तो मुझे भी भरोसा नहीं हुआ लेकिन अभी तक हम दोनों मिले नहीं लेकिन उनकी सादगी, व्यवहार और आत्मीयता यह बताने के लिए काफी

है कि वे दिल के सज्जन व्यक्ति हैं. निश्चित तौर पर ऐसे लोग मुझे ही क्या दुनिया को भी बड़े अच्छे लगते हैं. वर्धा के खड़की के मूल निवासी रहने वाले प्रवीण नागपुरे का जन्म अमरावती में ही हुआ. बचपन से माता-पिता के आदर्श संस्कार और संवेदनशीलता इनकी खूबी रही है.

प्रवीण गुणवंत नागपुरे पाटील नागपुरे क्लीनकिल लैब मेन रोड मुर्तिजापुर के संचालक के साथ ही अमरावती में भी लैब की सेवाएं शुरू हो गई हैं. मिलनसार और मानवता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा मानने वाले हैं. उनके मुताबिक परमात्मा ने हमें सुंदर जीवन केवल सम्पत्ति कमाने के लिए ही नहीं दिया है, बल्कि वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे. लेकिन इसके साथ ही आजकल कई बार नकलचियों की दुनिया में असली जरूरतमंद मदद से वंचित रहने की बात वे स्वीकार करते हैं. बचपन से ही मेधावी छात्र रहे प्रवीण नागपुरे सादगी पसंद आदर्श डाक्टर हैं. जीवन की खुशियों का श्रेय पत्नी डॉ.ममता नागपुरे तथा परिवार को देते हैं. वह भी जानी-मानी डाक्टर हैं. फ्क्टरी पेशे को केवल आजीविका का साधन नहीं बल्कि मानव सेवा का आदर्श माध्यम मानते हैं. उनके व्यक्तित्व में सादगी, विनम्रता और सेवाभावना रहने के कारण मरीजों का भी दिल जीत लेते हैं. पैथालॉजी में एमडी के साथ ही गहन अनुभव है. मुर्तिजापुर में नागपुरे क्लीनिकल लैब ने मरीजों का विश्वास जीता है और अमरावती में भी डॉ. आदित्य डागा के साथ मिलकर यहां भी मरीज सेवा का बेहतरीन प्रयास कर रहे हैं. जीवन में धन जरूरत है, श्रेष्ठ हो सकता है लेकिन सर्वश्रेष्ठ नहीं होने की उनकी भावना रहती है. मरीजों को हिम्मत बंधाना भी पुण्यकर्म है. पैसे के लिए डराने वाले इस दौर में कोई एक व्यवसाय नहीं बल्कि हर व्यवसाय में कुछ ही अच्छे लोग हैं. यही कारण है कि कईयों के स्वभाव की सकारात्मक और नकारात्मक चर्चा होती है. स्वयं कैंसर पर मात करने वाले डॉ. नागपुरे के स्वभाव का ही प्रभाव है कि कुछ लिखने की इच्छा हुई. वे कहते हैं कि जीवन में संस्कारों का अत्याधिक महत्व होता है.

आज हर रिश्ते में स्वार्थ मजबूती से पैर जमा रहा है, इससे खुशियां गायब हो रही हैं. डॉ.प्रवीण नागपुरे की सादगी निश्चित ही काबिले तारीफ है. जो लोग दिल के अच्छे होते हैं, वह दिखाते नहीं है बल्कि उनका व्यवहार, उनका स्वभाव उनके प्रति दिल में अपनापन तथा प्रेम भर देता है.डॉ.नागपुरे दम्पति जीवन में वैद्यकीय सेवा के क्षेत्र को सदैव गौरवान्वित करे, किसी गरीब मरीज की यथासंभव मदद का भाव सदा उनमें बना रहे और विश्वास की कसौटी पर मरीजों के दिलों में स्थान बनाए, विदर्भ स्वाभिमान अखबार यही कामना करता है. अमरावती में भी शानदार कामयाबी की शुभकामनाएं.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर भलाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा राष्ट्रधर्म को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को बढ़ावा तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN/2010/43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : श्री. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

पति की परवाह नहीं करने वाली महिला के साथ बच्चा सुरक्षित नहीं

पुणे-स्थानीय पारिवारिक अदालत ने एक दस साल के बच्चे की अंतरिम कस्टडी पिता को सौंपते हुए कहा कि जो महिला पति की परवाह नहीं करती है, उसके साथ बच्चा सुरक्षित नहीं रह सकता है. रिकार्ड और परिस्थितियों को देखते हुए बच्चे का भविष्य फिलहाल मां के पास सुरक्षित नहीं रहने की बात कही. कोर्ट ने आदजेश में पत्नी के वैवाहिक व्यवहार और बच्चे पर उसके संभावित असर को भी आधार बनाया है. फैमिली कोर्ट के प्रभारी जज गणेशश घुले ने 16 मई के आदेश में कहा कि पत्नी ने पति के खिलाफ कई मुकदमे दायर किए लेकिन कहीं भी रिश्ता सुधारने की इच्छा नहीं जताई. वैवाहिक जिम्मेदारियों को भी नहीं निभाया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.